बनारसी साड़ियों की दिखेगी चमक तो लुभाएगी कन्नौज के इत्र की खुशबू

अनिल श्रीवास्तव

- राजधानी के अवध शिल्प ग्राम में हर जिले के खास उत्पाद की होगी अलग दुकान

- वीकेंड पर व्यंजनों के चटखारे के साथ उठा सकेंगे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ
- नवंबर में लखनऊ महोत्सव के साथ ही ओडीओपी की दुकानें हो सकती हैं शुरू

लखनऊ। राजधानी के अवध शिल्प ग्राम में जल्द ही प्रदेश के सभी जिलों के खास उत्पाद एक साथ दिखाई देंगे। यहां कन्नौज के इत्र की खुशबू, बनारस की रेशमी साड़ियां या गोरखपुर का टेराकोटा आपको आकर्षित कर सकता है। चाहें तो मुजफ्फरनगर के गुड़ की मिठास का आनंद लें या फिर खाने में तड़के के लिए हाथरस की हींग ले आएं। पीलीभीत की बांसुरी की मधुर धुन का आनंद लें या अमरोहा की ढोलक की थाप का। ऐसी और भी बहुत सी चीजें यहां उपलब्ध होंगी।

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत जिलों की पहचान से जुड़े खास उत्पादों की दुकानें राजधानी में खोली जाएंगी। सरकार की प्राथमिकता के मद्देनजर सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग ने आवास विकास परिषद की सहमति से अवध शिल्प ग्राम में इन उत्पादों की बिक्री के लिए दुकानें खुलवाने का खाका तैयार किया है। इसके संचालन के लिए संस्था का चयन बिड के जरिये किया जाएगा। संस्था अवध शिल्प ग्राम में रेस्टोरेंट और बच्चों के लिए झूलों आदि की व्यवस्था भी करेगी।

लोगों को आकर्षित करने के लिए हर शनिवार और रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों की लोककलाओं का प्रदर्शन कराया जाएगा जिससे लोग वहां की कला-संस्कृति से रू-ब-रू हो सकें। सूत्रों के अनुसार नवंबर में लखनऊ महोत्सव के साथ ही अवध शिल्प ग्राम में ओडीओपी की दुकानें शुरू कराने की योजना है।

हर जिले के उत्पाद के लिए नि:शुल्क मिलेगी दुकान

अवध शिल्प ग्राम में हर जिले के खास उत्पादों के लिए सरकार नि:शुल्क दुकानें आवंटित करेगी। संबंधित जिलों के चिह्नित समूहों को समान रूप से अपने उत्पाद की खूबी दिखाने का पूरा मौका मिले, इसके लिए कैलेंडर भी तैयार किया जाएगा। दुकानों में रखे जाने वाले उत्पादों की खासियत भी प्रदर्शित की जाएगी।

टोल फ्री नंबर पर आमंत्रित किए जाएंगे सुझाव

हर जिले के कुछ उत्पाद वहां के पर्याय हैं। पूरी खूबी के साथ इनको तैयार करने वाले भी कुछ लोग ही हैं। इन उत्पादों को कैसे और बेहतर बनाकर विस्तृत बाजार दिया जा सकता है, इनको तैयार करने में उत्पादकों के सामने कौन-कौन सी समस्याएं हैं, इन सबके बारे में जानकारी जुटाने के लिए टोल फ्री नंबर भी शुरू किया जाएगा।

उत्पादकों की बढ़ेगी आय : ओडीओपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सरकार की मंशा इससे हर साल पांच लाख युवाओं को रोजगार देने की है। अवध शिल्प ग्राम में जल्द ही सभी जिलों के खास उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री की व्यवस्था कराई जाएगी। देश और दुनिया में मांग बढ़ने से इन्हें बनाने वालों की आय बढ़ेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।
- नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग